



GREEN MORNING

MISSION : SAVE THE MOTHER EARTH

पॉवर प्लांट | न्यूटवेट्स | हर्बन्यूट्स | होमडेट्स प्रोडक्ट्स | हर्बकोस

EAT
WELL
FEEL
GOOD



EAT HEALTHY
LIVE LONG
LIVE STRONG

MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



PRESENTAZIONE

TABLE OF CONTENTS

- **AGRICULTURE PRODUCTS**
- **TESTIMONIALS**
- **TULSI DROPS**
- **CANOPY DAY**
- **AQUA GROW GEL**
- **HEALTH CARE PRODUCTS**
- **VET CARE**



ALL PRODUCTS

AGRICULTURE

Balance Nutrition for
Plant Growth

Organic
protection
for your crops



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH

AQUA GROW GEL

किसानों के लिए AQUA GEL: पानी बचाने का अनोखा उपाय

आज के समय में, पानी की कमी ग्रामीण इलाकों के किसानों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। फसल उगाने के लिए ज़मीन और मेहनत तो है, लेकिन अगर पानी नहीं होगा, तो खेती करना मुश्किल हो जाएगा। इसी समस्या को हल करने के लिए "AQUA GEL" नामक एक नई तकनीक आई है। यह किसानों के लिए एक वरदान साबित हो रही है।

AQUA GEL क्या है?

AQUA GEL एक खास प्रकार का जैल है, जिसे खेत की मिट्टी में मिलाया जाता है। यह जैल मिट्टी में पानी को लंबे समय तक रोके रखने में मदद करता है। जब खेत को पानी दिया जाता है, तो AQUA GEL उस पानी को सोख लेता है और धीरे-धीरे पौधों की जड़ों तक पहुंचाता है।

कैसे काम करता है AQUA GEL?

1. पानी देने पर जैल पानी को सोख लेता है।
2. जब मिट्टी सूखने लगती है, तो जैल में भरा पानी जड़ों तक पहुंचता है।
3. यह प्रक्रिया फसल को लंबे समय तक नमी प्रदान करती है।

AQUA GEL के फायदे

- **पानी की बचत:** AQUA GEL के उपयोग से पानी की खपत 50% तक कम हो सकती है।
- **मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार:** यह जैल मिट्टी को लंबे समय तक नम बनाए रखता है, जिससे पौधों को पोषक तत्व मिलते हैं।
- **उपज बढ़ाना:** कम पानी में भी फसल अच्छी होती है, जिससे किसान की आय बढ़ती है।
- **कम लागत में समाधान:** एक बार लगाने के बाद यह जैल लंबे समय तक काम करता है।

किसानों के लिए आसान उपयोग

AQUA GEL का उपयोग करना बहुत आसान है। इसे खेत की जुताई के समय मिट्टी में मिलाया जा सकता है। एक छोटे पैकेट से एक बड़े खेत को कवर किया जा सकता है।

ग्रामीण इलाकों में इसकी उपयोगिता भारत के ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर किसान बारिश पर निर्भर रहते हैं। लेकिन बारिश कम होने या समय पर न होने की वजह से फसलें खराब हो जाती हैं। ऐसे में AQUA GEL उन किसानों के लिए मददगार है, जो सीमित संसाधनों के साथ खेती करते हैं।

निष्कर्ष

AQUA GEL एक ऐसा उत्पाद है, जो ग्रामीण इलाकों में खेती को आसान और बेहतर बना सकता है। यह न केवल पानी की बचत करता है, बल्कि किसानों की मेहनत का सही फल भी देता है। आज जरूरत है कि किसानों को इस नई तकनीक के बारे में जागरूक किया जाए ताकि वे इसका लाभ उठा सकें।





अभिषेक शेंडगे

मेरा नाम अभिषेक शेंडगे है। मैं ज़िला धाराशीव (उस्मानाबाद) महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ। मैं 3 सालो से गन्ना, सोयाबीन, चना, आम पर फसलों ग्रीन प्लैनेट के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहा हूँ। मैंने ग्रीनप्लैनेट के पाँवर प्लांट भुमीपाँवर, प्रीमियम, प्रोम, एस.टी, ग्रो, नायट्रोजेन, ब्लूम, पेस्टोहित, पी.पी.एफ.सी, रुट गार्ड और स्प्रेड ऑल-90 का इस्तेमाल कर रहा हूँ। इससे मुझे बहुत अच्छे रिजल्ट मिले है। सोयाबीन की फसल की वृद्धि बहुत अच्छी हुई और इसका आकार भी बड़ा है। कम लागत से उत्पादन तो बढ़ा और जमीन भी उपजाऊ हुई है। मैंने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स से संतुष्ट हूँ। मैंने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करके बहुत खुश हूँ अब मैं 20 एकड़ जमीन में ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट इस्तेमाल कर रहा हूँ और सभी साथियों को रिजल्ट दिखाकर ग्रीन प्लैनेट के साथ आर्गेनिक फार्मिंग करने को जोड़ रहा हूँ।



गोगावे प्रसाद

मेरा नाम गोगावे प्रसाद है। मैं नलदुर्ग महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ। मैं किसान हूँ। मैं अपने खेत पर तरबूज की खेती कर रहा हूँ। मुझे मेरे मित्र ने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने को कहा। मैंने ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल तरबूज पर किया। मैंने पाँवर प्लांट भुमीपाँवर, प्रीमियम, प्रोम, एस.टी, ग्रो, नायट्रोजेन, ब्लूम, पेस्टोहित, पी.पी.एफ.सी, और स्प्रेड ऑल-90 का इस्तेमाल किया है। इससे मुझे बहुत अच्छे रिजल्ट मिले है। मुझे एक एकड़ में 40 टन तरबूज की खेती हुई है। मुझे इतने अच्छे रिजल्ट देखकर बहुत अच्छा लगा। मैं आगे से भी ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल अपने खेतों पर करूँगा। धन्यवाद।



Health Care Products

Ayurvedic | Food Supplements | Fmcg | Personal Care | Beauty Care

Your Path to
Natural Wellness



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH

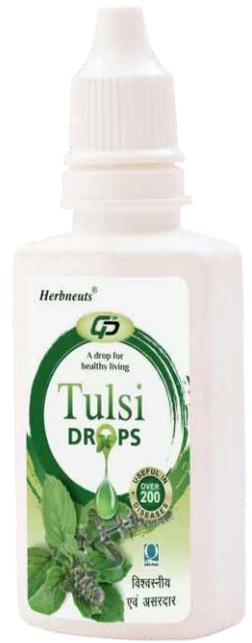
TULSI DROPS

तुलसी हजारों साल पुराना एक औषधीय पौधा है, जिसे **Queen of Herb** भी कहा जाता है। जिससे कई रोगों को दूर करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के गुण पाए जाते हैं। तुलसी की कई प्रजातियाँ पाई जाती हैं, लेकिन उनमें से कुछ प्रजातियाँ जैसे कि राम तुलसी, कृष्णा तुलसी, वना तुलसी, लैमन तुलसी, होअरी तुलसी, स्वीट तुलसी मुख्य मानी गई है। यह प्रजातियाँ औषधीय गुणों से भरपूर है। अगर इनका इस्तेमाल अर्क के रूप में किया जाए तो यह हमारे शरीर को निरोगी बनाने में और निरोगी बनाए रखने में सहायक सिद्ध होती है। आयुर्वेद के अनुसार तुलसी में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो शरीर की प्रतिरक्षक प्रणाली को मजबूती देते हैं, जिससे सर्दी, जुकाम और अन्य संक्रामक रोगों से बचाव होता है। अगर रिसर्च की माने तो तुलसी एक ऐसा पौधा है जो खांसी, जुकाम, बुखार से लेकर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी में भी राहत प्रदान कर सकता है। कई रिसर्च में पाया गया है कि तुलसी कैंसर से लड़ने में मददगार होती है, वही जो नियमित रूप से तुलसी का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें कैंसर होने की सम्भावना बहुत कम हो जाती है। ऐसा होने का मुख्य कारण है इसमें पाए जाने वाले कंपाउंड और एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व जो शरीर में भी रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाती है। इसके अलावा तुलसी को खास माना जाता है क्योंकि इसमें पाये जाने वाले कुदरती रूप से एंटी-बायोटिक गुणवत्ता जो कई तरह की बीमारियों से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करती है। यही कारण है कि तुलसी के सेवन से हमारा शरीर मौसम के बदलाव से होने वाले खांसी-जुकाम, बुखार आदि से लड़ पाता है।

तुलसी के सेवन से होने वाले फायदे और प्रयोग विधि:

- तुलसी में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल और एंटी-इन्फ्लेमेट्री तत्व मौजूद है, जो हमारी सेहत को अच्छा करने में अच्छा बनाए रखने में काफी योगदान देते हैं।
- तुलसी विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर है, जो पेट और पाचन की गड़बड़ियों को कम करने में मदद करते हैं जैसे कि गैस बनना, खाना हजम ना होना, पेट दर्द होना, दस्त लगना आदि।
- श्वास सम्बन्धी बिमारियों (**Respiratory Problems**) में राहत देने में मदद करती है। इसके कफ और वात संतुलन प्रभाव के कारण यह नजला, खांसी-जुकाम, अस्थमा और पुराणी सांस की बिमारियों में काफी उपयोगी है।
- त्वचा के लिए भी बहुत उपयोगी है इसमें पाए जाने वाले एंटी-सैप्टिक तत्व, त्वचा पर कोई चोट लगने पर घाव होने पर या जलने पर, तुलसी की बूंदें लगाने से बहुत राहत मिलती है। इसके अलावा इसमें पायी जाने वाली एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टी कई चर्म रोगों जैसे- मुहासे, झाईयां, सोरासिस, ल्यूकोडर्मा (सफेद दाग) आदि को कम करने में व संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करती है।
- तुलसी त्वचा को पोषण देकर उसे मुलायम बनाने में मदद करती है। इसके पोषक तत्व त्वचा की नई कोशिकाएं बनाने में मदद करती है,
- तुलसी बालों को मजबूती देने में भी सहायक है। अगर बाल बहुत कमजोर, बेजान हो चुके हैं या आपके बाल बहुत ज्यादा गिर रहे हैं और बालों के दोबारा उगने की प्रक्रिया कम होती जा रही है, तो तुलसी की बूंदों को हेयर आयल या एलोवेरा जैल में मिलाकर, बालों की जड़ों में लगाये और नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें (हफ्ते में कम से कम 3 बार), तो बहुत जल्दी बालों की मजबूती में असर दिखना शुरू हो जाएगा।
- तुलसी दिमाग के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके रोजाना सेवन से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है।
- कान के दर्द में भी तुलसी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 1-2 बूँद लें सरसों के तेल की (हल्का गुनगुना) और उसमें मिलाएं 1 बूँद तुलसी की और एस मिश्रण को कान में डालें। यह दर्द को कम करने में मदद करेगा।
- दाग और खुजली होने पर तुलसी की बूंदों को त्वचा पर लगाने से राहत मिलती है।
- दांत के दर्द में भी राहत देती है तुलसी की बूंदों को रुई पे डाले और इसे दर्द वाले दांत में रख लें। ऐसा करने से काफी आराम मिलता है।
- मछरों के काटने पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं आप चाहे तो इसे शरीर पर में लगा लें या किसी भी बॉडी आयल में तुलसी की कुछ बूँदें मिलाकर भी शरीर पर मालिश कर सकते हैं, खासकर छोटे बच्चों के शरीर पर।

नोट : तुलसी का सेवन दूध में मिलाकर या दूध के साथ न कर। आयुर्वेद में दूध और तुलसी को एकसाथ लेना वर्जित माना गया है।

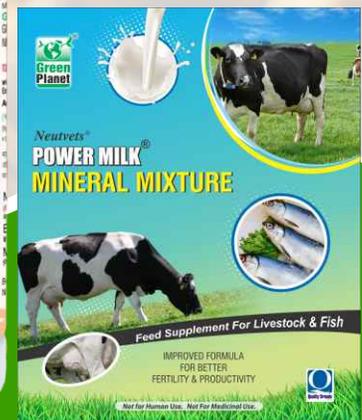
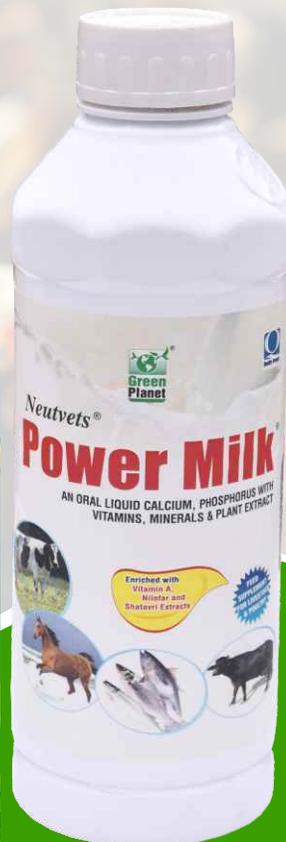




ALL PRODUCTS

VETCARE

SOLUTION FOR YOUR CATTLE NEEDS



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



GREEN PLANET

CANOPY DAY

03-JULY-2025



MISSION :SAVE THE MOTHER EARTH



**Green
Planet**

SINCE 2002

GREEN PLANET BIO PRODUCTS

G.P. Tower, I-Amar Garden, Near Pathankot Chowk Bye-Pass, NH-I, Jalandhar-144004.

An ISO 9001:2015 Certified Co.

Ph.: +91-181-5299000, Toll Free 1800 137 4699

www.greenplanetindia.com